[This question Paper contains 2 printed pages.]

Roll No. :	.....
Unique Paper Code:	**121303403 (OEC)**
Title of the Paper:	**OEC: भारतीयदर्शन का सर्वेक्षण (Survey of Indian Philosophy)**
Name of the Course:	**MA Sanskrit Examination, May 2023**
Semester:	**IV**
Duration:	**03 HRS**
Maximum Marks:	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or **Hindi** or in **English.**

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए।

1. चार्वाक दर्शन के अनुमान प्रमाण सम्बन्धी विचारों का विवेचन कीजिए। **12**

   Discuss the Cārvāka views of Inference.

   अथवा/ Or

   जैन दर्शन की तत्त्वमीमांसा का विवेचन कीजिए।

   Discuss the ontology of Jaina philosophy.

2. बौद्धदर्शन के अनुसार दुःखसमुदय का विवेचन कीजिए। **12**

   Discuss the theory of दुःखसमुदय according to Buddhist philosophy.

   अथवा/ Or

   शैवदर्शन के अनुसार 'पशु' पदार्थ का निरूपण कीजिए।

   Elucidate the concept of 'Paśu' in accordance to śaiva philosophy.

Scanned with CamScanner

3. भारतीय दर्शन में प्रतिपादित आत्म-सिद्धान्त का विवेचन कीजिए। 12

Discuss the concept of Ātman as propounded in Indian philosophy.

अथवा/ Or

भारतीय दर्शन में प्रतिपादित ख्यातिवाद का विवेचन कीजिए।

Discuss the theory of error as propounded in Indian philosophy.

4. अद्वैतवेदान्त का ऐतिहासिक सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजिए। 12

Present a historical survey of Advaita Vedanta philosophy.

अथवा/ Or

वैशेषिक दर्शन के आधारभूत सिद्धान्तों एवं उसके ऐतिहासिक विकास को प्रस्तुत कीजिए।

Elaborate the fundamental principles and historical development of Vaisheshika philosophy.

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक <u>संस्कृत</u> में हो: 5+5+5+7=22

Write notes on the following in which **one** should be in **<u>Sanskrit</u>**:

(क) योगदर्शन में ईश्वर	**अथवा/or**	सम्यक्चारित्र
(ख) शैव दर्शन में पति	**अथवा/or**	बौद्ध में भावना चतुष्ट्य
(ग) पुरुष	**अथवा/or**	जैन मत में सर्वज्ञ
(घ) वाचस्पति मिश्र	**अथवा/or**	कपिल

Scanned with CamScanner